सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 138 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 24 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

चाहे जो हो जाये शादी कीजिये। अगर अच्छी पत्नी मिली तो आपकी जिन्दगी खुशहाल रहेगी। अगर बुरी पत्नी मिलेगी तो आप दार्शनिक बन जायेंगे।

-सुकरात


टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज बनीं... 7 | मध्य प्रदेश में भाजपा पर कांग्रेस का... 3 | भ्रष्टाचार से बनी सरकार ही भ्रष्टाचार... 2


# योगी जी देखिए आपके अफसर कैसे कैमरे के सामने ले रहे हैं लाखों की घूस!

## आखिरकार फंस ही गया योगी सरकार में भ्रष्टाचार का गॉडफादर सतीश कुमार

» यूपी आवास विकास सहकारिता विभाग में कार्यरत अधिकारी रिश्वत के रिमोट कंट्रोल से चला रहा विभाग

» कैमरे में कैद बातचीतों ने खोली भ्रष्टाचार की परतें अब जवाब मांगेगी जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भ्रष्टाचार... यह शब्द सुनते ही आम आदमी के मन में किसी बाबू की मेज किसी फाइल का बोझ और किसी मजबूर नागरिक की बेबसी की तस्वीर उभर आती है। लेकिन अगर व्यवस्था के भीतर बैठा कोई अधिकारी खुद यह दावा करने लगे कि जांच किस दिशा में जाएगी शिकायत कौन करेगा किसे फंसाया जाएगा तो फिर इस स्स्टिम को भगवान ही बचा सकता है।

जी हां बिल्कुल सच योगी सरकार में उत्तर प्रदेश आवास विकास सहकारिता विभाग का अधिकारी सतीश कुमार 4PM के स्टिंग आपरेशन में फंस कर फंड़फड़ा रहा है। सतीश कुमार एक ऐसे अधिकारी का नाम है जो पैसों के बल पर सही को गलत और गलत को सही करने में माहिर है। यह भ्रष्टाचार का भस्मासुर है और यदि इन्होंने पैसों की डिमांड किसी से कर दी है तो फिर वह पूरी करनी ही होगी वर्ना यह व्यक्ति उस को, उसकी सोसाइटी को बर्बाद कर देगा। चलिए जानते हुए पूरा किस्सा कि क्या हुआ और यह कैसे फंसा।

### जब अफसर बिकने लगे

आज का जो खुलासा हमने आपके सामने रखा है वह सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह उन आरोपों की कहानी है जो सरकारी तंत्र के उस अंधेरे हिस्से की ओर इशारा करते हैं जहां नियम किताबों में रहते हैं और फैसले कथित तौर पर नोटों की गड्डियों पर लिखे जाते हैं। यह कहानी उन लोगों की है जो दावा करते हैं कि उन्होंने एक ऐसे तंत्र को करीब से देखा जहां शिकायतें पैदा की जाती हैं जांचें तैयार की जाती हैं और फिर कानून का चाबुक चुनिंदा लोगों पर चलाया जाता है। क्या गाजियाबाद की वेब सिटी में संचार नस्ट नाम की सोसाइटी को सील करने की कार्रवाई वास्तव में नियमों के तहत हुई थी या उसके पीछे कोई और वजह थी? क्या किसी अधिकारी के कथित प्रभाव से शिकायतों का निर्माण और जांचों का संचालन संभव है? क्या व्यवस्था में बैठे कुछ लोग अपनी कुर्सी को सार्वजनिक सेवा का माध्यम नहीं बल्कि निजी साम्राज्य का सिंहासन समझ बैठे हैं? इन सवालों का जन्म किसी अफवाह से नहीं हुआ। इनके पीछे हैं वह वीडियो वह बातचीतें और वह दावे जो अब सार्वजनिक बहस का विषय बन चुके हैं। कैमरे के सामने कैमरे से अनजान बातचीतों में जो बातें कही गयी वह बाते व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है।

### खमोशी भी अपराध बन जाती है

हम स्पष्ट कर दें कि हमारा उद्देश्य किसी विभाग या संस्था को कटघरे में खड़ा करना नहीं है। हर विभाग में हजारों ईमानदार अधिकारी और कर्मचारी होते हैं जो व्यवस्था को चलाने के लिए दिन रात मेहनत करते हैं। लेकिन यदि कुछ लोगों के आचरण पर गंभीर आरोप लगते हैं तो उन आरोपों की जांच और सत्य सामने आना लोकतंत्र की आवश्यकता है। आज की यह रिपोर्ट किसी व्यक्ति के खिलाफ फैसला नहीं सुनाती। फैसला जांच एजेंसियों और न्यायालयों को करना है। लेकिन यह रिपोर्ट उन सवालों को जरूर उठाती है जिन्हें अब दबाया नहीं जा सकता। क्योंकि जब जनता के अधिकार कानून की गरिमा और सरकारी संस्थाओं की विश्वसनीयता दांव पर हो तब खामोशी भी एक अपराध बन जाती है।

### सोसाइटी को सील किये जाने के बाद विवाद

विवाद की शुरुआत गाजियाबाद स्थित संचार नस्ट नाम की सोसाइटी को सील किया जाने के बाद हुई। समिति से जुड़े लोगों का आरोप है कि विभागीय स्तर पर उनसे 50 लाख रूपये और दो लाख रूपये प्रति माह की घूस की रकम मांगी गयी। मांग पूरी न होने के बाद कार्रवाई का रास्ता अपनाया गया। स्टिंग में रिकॉर्ड हुई बातचीतों में अधिकारी यह बताते हुए सुनाई दे रहे है कि शिकायतों और जांचों की प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित किया जा सकता है। बातचीत में यह भी दावा किया गया कि यदि किसी समिति के खिलाफ कार्रवाई करानी हो तो उसके लिए शिकायतकर्ता की व्यवस्था की जा सकती है जांच बैठाई जा सकती है और परिस्थितियां ऐसी बनाई जा सकती हैं कि समिति प्रशासनिक संकट में फंस जाए। पूरी बातचीत के आधार पर यह केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं रहेगा बल्कि संस्थागत निष्पक्षता पर सीधा हमला माना जाएगा। क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जांच का उद्देश्य सत्य की खोज होता है किसी को निशाना बनाना नहीं। स्टिंग में शामिल लोगों ने एक काल्पनिक विवाद का उल्लेख करते हुए यह परखा कि संबंधित अधिकारी की प्रतिक्रिया क्या होती है। बातचीत के दौरान जो बातें सामने आई उन्होंने कई नए प्रश्न खड़े कर दिए। आन कैमरा यह बताया गया कि शिकायत कैसे लिखी जाए उसमें क्या आरोप लगाए जाएं और जांच को किस दिशा में ले जाया जाए इन सबकी रूपरेखा स्वयं सतीश कुमार के द्वारा बताई जा रही थी।

### गाजियाबाद की वेब सिटी से जुड़ा है मामला

दरअसल बात कुछ महीने पुरानी है गाजियाबाद की वेब सिटी में संचार नस्ट नाम की सोसाइटी को सील किया गया था तब नोटिस लगाने खुद सतीश कुमार नाम का यही अधिकारी गया था अब खुफिया कैमरे पर यही अधिकारी कबूल कर रहा है कि संचार न सहकारी आवास समिति के सचिव और अध्यक्ष से इसकी नाराजगी थी और उसने उसी नाराजगी के कारण कर्रवाई की। समिति का कहना है कि है नाराजगी केवल इस बात से थी कि समिति ने सतीश कुमार की 50 लाख की मांग को नहीं माना और पैसे देने से मना कर दिया। यह बात समिति के अधिकारियों ने आन कैमरा बोली है और सीधे आरोप लगाये हैं। समिति के अधिकारियों का यह भी कहना है कि यह प्रत्येक माह 2 लाख रूपये महीने अतिरिक्त समिति से चाहता था। सतीश कुमार की मांग जब पूरी नही हुई तो इसने सीलिंग की कार्रवाई कर दी और लोगों को दौड़ा दौड़ा कर परेशान करने में जुट गया। सतीश कुमार नाम का ये अधिकारी अपने निजी स्वार्थ के लिए लोगों को तंग करता है। करेप्शन की रेल पेल में यह अकेलेन नहीं है बल्कि पूरी टीम बना कर व्यवस्थित तरीके से इस काम को किया जा रहा है। इसकी पहुंच ऊपर तक है इनके एक इशारे पर कोई भी फर्जी शिकायत दर्ज कर उस पर जांच के आदेश जारी हो जाते हैं। इस पूरी करेप्शन की कहानी को आप हमारे यूटयूब चैनल के इस लिंग पर जाकर देख सकते हैं।

https://www.youtube.com/watch?v=B2ss32YScEU

### जिम्मेदारों के नहीं उठे फोन

आप खुद बताईय कि विसिल ब्लोअर क्या क्या करें? कैसे भ्रष्टाचारियों के मंसूबों को फेल किया जाए जब जिम्मेदार जवाब देने से बचे। इस पूरे प्रकरण में जब विभागीय मंत्री और विभागीय प्रमुख सचिव से उनके जबाव जानने के लिए फोन किया तो उन्होंने फोन ही नही उठाये। यह हाल तब है जब सूबे के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ के स्पष्ठ आदेश है कि अधिकारी जनता से मिलें और उनके फोन उठाये।

### आर्थिक लेनदेन की बातें चिंताजनक

सबसे चिंताजनक पहलू वह हिस्सा है जिसमें आर्थिक लेनदेन की बात हो रही है। बातचीत में एक निश्चित रकम के बदले प्रशासनिक कार्रवाई और जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने का आश्वासन दिया गया। स्टिंग के दौरान यह भी कहा गया कि शिकायतों और जांचों को लेकर उच्च स्तर तक संपर्क मौजूद हैं। यह दावा अपने आप में गंभीर है क्योंकि इससे यह आशंका पैदा होती है कि कहीं भ्रष्टाचार व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न होकर व्यापक नेटवर्क का रूप तो नहीं ले चुका। मामले का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शिकायत के आधार पर बाद में वास्तव में जांच गठित हुई। इससे आरोप लगाने वाले पक्ष का दावा मजबूत होता है कि स्टिंग में कही गई बातें बाद की घटनाओं से मेल खाती हैं। पूरे प्रकरण ने सहकारी समितियों के सदस्यों के बीच भी चिंता पैदा कर दी है। उनका कहना है कि यदि जांच और शिकायत की प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर होगा तो सहकारिता आंदोलन की मूल भावना को नुकसान पहुंचेगा। सहकारी संस्थाएं सामूहिक विश्वास पर चलती हैं और यदि सरकारी निगरानी तंत्र पर ही सवाल खड़े हो जाएं तो यह विश्वास डगमगा सकता है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सच क्या है? क्या यह एक व्यक्ति की करतूत का मामला है या फिर व्यवस्था के भीतर मौजूद किसी बड़े रोग की झलक? क्या जांचों का इस्तेमाल न्याय के लिए हो रहा है या फिर प्रभाव और पैसों के खेल के लिए? इन सवालों के जवाब आने वाले दिनों में जांच एजेंसियों विभागीय अधिकारियों और संबंधित पक्षों के बयानों से सामने आएंगे।

# 'भ्रष्टाचार से बनी सरकार ही कर रही है भ्रष्टाचार'

» सपा प्रमुख ने लखनऊ में हुए अग्निकांड पर भाजपा सरकार को घेरा

» अखिलेश यादव पहुंचे केजीएमयू, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में हुए अग्निकांड पर सपा ने भाजपा व योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचे। यहां उन्होंने अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में घायल लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना को बेहद दुखद बताया। साथ ही सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होने कहा, कुछ समय पहले झुग्गियों में जो आग लगी थी, वो लगी थी या लगाई गई थी?

अखिलेश यादव ने अस्पताल में भर्ती घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात की। मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने घटना को दुखद बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा, कल जो घटना हुई है वो दुखद है। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों की जान चली गई, सच्चाई ये है कि भ्रष्टाचार सभी मानकों के ऊपर है। भ्रष्टाचार से बनी सरकार ही भ्रष्टाचार कर रही है। उसी का परिणाम है कि जानें चली गईं। लखनऊ में कोई पहली बार जान नहीं गई है।

जहां गरीब रहते थे वहां झुग्गियों में आग लगी थी या लगाई गई ? उन्होंने कहा कि लखनऊ में इस तरह की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं और प्रशासनिक जवाबदेही तय होनी चाहिए।

## डॉक्टरों से घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

उन्होंने डॉक्टरों से घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने की बात कही। गौरतलब है कि अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में आग लगने के बाद धुएं और दम घुटने से 15 अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे।

## एफआईआर के बिना एसआईटी बिना तीर की कमान है

अखिलेश यादव लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। अखिलेश यादव ने अब एसआईटी जांच को लेकर सवाल उठाए हैं, अखिलेश यादव ने कहा है कि एफआईआर के बिना एसआईटी 'बिना तीर की कमान' है। अखिलेश यादव ने कहा कि अब दान में दिये गये 'कागभुसुंडि' के गायब हो जाने की निंदनीय खबर आई है. जिस तरह हर दिन 'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरी का नया भंडाफोड़ हो रहा है और सनातनी आस्थावानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है, उसे देखकर नेपाल और बाक़ी बार्डर बंद कर देने चाहिए, जिससे आरोपी फ़रार न हो सकें। अखिलेश यादव ने एसअसईटी जांच पर सवाल उठाते कहा कि सरकार को बचाने का एक ही तरीका है एसआईटी गठित कर दो, लग तो यही रहा है की 10 साल से कोई सरकार ही नहीं है। अपने जाने का दुःख अपने ही समझते है, कुछ लोग कैमरा के सामने आंसू बहा रहे थे, और 5 लाख से कुछ नहीं होता और मदद करनी चाहिए, समाजवादी की सरकार बनेगी तब मदद करेंग। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने अयोध्या में राम मंदिर से 200 किलो चांदी की शिला गायब होने का सवाल भी उठाया और उन्होंने मंगलवार को होने वाले भंडारे पर कहा कि लखनऊ के अलावा ये भंडारे की परंपरा कहीं और नहीं है।

### व्यवस्था पर उठाए सवाल

सपा प्रमुख ने फायर सेफ्टी और एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) जारी करने की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि संस्थानों को नियमों के विपरीत एनओसी दी जा रही है तो इसकी जांच होनी चाहिए। घटना के बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शोक व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने से जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। अखिलेश यादव ने अपने संदेश में कहा था कि यह बेहद दुखद घटना है और इसके पीछे के कारणों की निष्पक्ष एवं ईमानदार जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को गंभीरता से काम करना होगा, क्योंकि ऐसे बच्चे किसी भी परिवार के हो सकते हैं।

# कश्मीरी पंडितों को अतीत को भुलाकर आगे बढ़ना चाहिए : महबूबा मुफ्ती

» भाजपा ने कहा-पंडित समुदाय ने जो पीड़ा और कष्ट झेले हैं भूलना आसान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि कश्मीरी पंडितों को एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए आगे बढ़ना चाहिए और अतीत को भुला देना चाहिए। वहीं भाजपा ने कहा है कि कश्मीरी पंडित समुदाय ने जो पीड़ा और कष्ट झेले हैं, उन्हें लोगों से अतीत को भूल जाने के लिए कहकर यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिला स्थित प्रसिद्ध माता खीर भवानी मंदिर की यात्रा की और वार्षिक मेले के अवसर पर वहां आए कश्मीरी पंडितों से बातचीत की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मेले में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित आए हैं और कश्मीर के लोग पूरे दिल से उनका स्वागत करते हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे कश्मीरी पंडित भाई-बहन अतीत में जो कुछ भी हुआ उसे भूल जाएं और भविष्य की ओर देखें।'' हालांकि, मुफ्ती जब खीर

भवानी मंदिर पहुंचीं, तो कश्मीरी पंडितों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। बाद में, जब महबूबा पत्रकारों से बात कर रही थीं, तो कश्मीरी पंडितों के एक अन्य समूह ने उन्हें टोकने की कोशिश की। वे उनसे बात करना चाहते थे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के साथ मौजूद लोगों ने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। कश्मीरी पंडितों ने ''जिस कश्मीर को खून से सींचा, वो कश्मीर हमारा है'' जैसे नारे लगाए। उनमें से कुछ ने ''भारत माता की जय'' का उद्घोष भी किया। पूर्व मुख्यमंत्री पत्रकारों से बात करती रहीं और बाद में चली गईं। इस बीच, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुफ्ती ने कहा कि खीर भवानी मेले के दृश्य शब्दों से परे दिल को छू लेने वाले थे। उधर, भाजपा नेता जहांजेब सिरवाल ने कश्मीरी पंडितों को लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में ऐसा माहौल बनाने पर ध्यान देना चाहिए जो लोगों के विश्वास को मजबूत करे, घावों को भरने में मदद करे और यह सुनिश्चित करे कि हर समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस करे। जहांजेब सिरवाल ने कहा कि भले ही जम्मू-कश्मीर का भविष्य मेल-मिलाप, आपसी सम्मान और जख्मों को भरने की भावना पर आधारित होना चाहिए, लेकिन कश्मीरी पंडित समुदाय ने जो पीड़ा और कष्ट झेले हैं, उन्हें लोगों से अतीत को भूल जाने के लिए कह कर यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।भारतीय जनता पार्टी के नेता ने कहा कि वास्तविक मेल-मिलाप चुनिंदा बातों को याद रखने या भूल जाने से नहीं होता, बल्कि ईमानदार आत्ममंथन, वास्तविकताओं को स्वीकार करने और जहां गलतियां हुई हैं उन्हें स्वीकार करने के साहस से हासिल होता है। सिरवाल ने नेताओं से अपील की कि वे उन मुद्दों पर बोलते समय सावधानी और संवेदनशीलता बरतें, जो किसी पूरे समुदाय की भावनाओं, स्मृतियों और पीड़ा से गहराई से जुड़े हुए हैं।

# बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर खर्च राशि की निष्पक्ष जांच कराई जाए : अभय सिंह

» इनेलो प्रमुख ने कहा- जांच के लिए विधानसभा की एक विशेष समिति गठित की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर खर्च की गई राशि को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। चौटाला ने मांग की कि कांग्रेस और भाजपा के कार्यकाल के दौरान बाढ़ नियंत्रण पर खर्च हुए हजारों करोड़ रुपये की विधानसभा की विशेष समिति से निष्पक्ष जांच कराई जाए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग किन कार्यों पर हुआ और उसका वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचा या नहीं।

चौटाला कहा कि हर साल बाढ़ रोकने के नाम पर करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट मंजूर किए जाते हैं लेकिन बारिश के मौसम में हालात पहले जैसे ही नजर आते हैं। कई क्षेत्रों में जलभराव, कमजोर तटबंध और अधूरी जल निकासी व्यवस्था अब भी बड़ी समस्या बने हुए हैं। इस वर्ष फ्लड कंट्रोल बोर्ड ने 388 परियोजनाओं के लिए 640 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसके बावजूद अनेक स्थानों पर ड्रेनेज की सफाई और बाढ़ सुरक्षा से जुड़े जरूरी कार्य पूरे नहीं हो पाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद उसके परिणाम धरातल पर दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने सरकार से बारिश शुरू होने से पहले सभी अधूरे बाढ़ नियंत्रण कार्यों को पूरा कराने की मांग की है।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# राम के नाम पर जनता को लूट रहे हैं बीजेपी व आरएसएस वाले : बघेल

### कांग्रेस नेता बोले-राम मंदिर चंदे को गजनवी की तरह लूटा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। भूपेश बघेल ने राम मंदिर चंदे में कथित लूट पर केंद्र सरकार, आरएसएस और वीएचपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने महमूद गज़नवी द्वारा सोमनाथ मंदिर की लूट से तुलना करते हुए कहा कि ये संगठन राम के नाम पर जनता को लूट रहे हैं, साथ ही किसानों और शिक्षा के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राम मंदिर चंदे को लेकर हालिया विवाद पर केंद्र सरकार की आलोचना की है और सरकार पर भगवान राम के नाम पर लोगों को लूटने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस के वरिष्ठ

नेता ने केंद्र सरकार और महमूद गज़नवी के बीच तुलना की। उन्होंने कहा कि जहाँ हमलावर ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, वहीं आरएसएस और भाजपा अभी राम मंदिर को लूट रहे हैं। बघेल ने कहा कि हालात ऐसे हैं कि स्कूल बिना यूनिफॉर्म, टीचर, टॉयलेट या पीने के पानी के ही खोल दिए गए हैं, वे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, सरकार किसानों के साथ क्रूर मज़ाक कर रही है... राज्य में हर कोई लूट-खसोट में लगा है। बघेल ने किसानों की मुश्किलों का भी जिक्र किया और नकली खाद, खराब मौसम और डीज़ल-पेट्रोल के मौजूदा संकट के कारण उन पर बढ़ते बोझ की बात कही। उन्होंने कहा कि खेती महंगी हो गई है और खाद भी महंगी होती जा रही है। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे इस मामले में और जानकारी सामने आएगी, इसे दबाने की कोशिश की जा सकती है।

# मध्य प्रदेश में भाजपा पर कांग्रेस का आक्रामक प्रहार

## वेयरहाउस निरीक्षण पर सियासत तेज

## खाद, बिजली से लेकर हर मुद्दे पर घिरी मोहन सरकार

» पटवारी की प्रतिक्रिया पर अध्यक्ष का पलटवार
» बोले- नियमों का पालन करना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस वहां की भाजपा सरकार को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। पार्टी के शीर्ष नेता से लेकर छोटे कार्यकर्ता तक आक्रामक हैं। वे जहां केंद्रीय मंत्री तक का काफिला रोक रहे हैं। वहीं खाद बिजली से लेकर गांव की गली व शहर की सड़क की डिवाईडर तक के मुद्दे उठाकर मोहन सरकार पर हमलावर हैं। अब इंदौर स्थित वेयरहाउस के निरीक्षण को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगाइच के बीच बयानबाजी तेज हो गई है।

नगाइच ने कार्रवाई को नियमित निरीक्षण बताते हुए कहा कि नियम सभी के लिए समान हैं। साथ ही उन्होंने जीतू पटवारी और कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के इंदौर स्थित वेयरहाउस के निरीक्षण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। मध्य प्रदेश वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगाइच ने पटवारी के आरोपों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि संबंधित कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर नहीं, बल्कि नियमित निरीक्षण अभियान के तहत की गई थी। उन्होंने कहा कि नियम सभी के लिए समान हैं, चाहे वह कोई नेता हो, अभिनेता हो, पटवारी हो या कलेक्टर।

### खाद संकट पर कांग्रेस का हमला

कांग्रेस नेताओं ने सबसे बड़ा मुद्दा किसानों के सामने खड़े खाद संकट का उठाया। उन्होंने कहा कि किसान एक-एक बोरी खाद के लिए 10 से 12 दिन तक लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग में सर्वर डाउन होने की समस्या ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है। कांग्रेस ने इसे सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल बताया। यह मुद्दा आने वाले दिनों में क्षेत्र की राजनीति का केंद्र बन सकता है।

## यूसीसी पर मंथन, मानसून सत्र में विधेयक पेश करने की तैयारी

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर गठित समिति भोपाल में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठक की। मिले सुझावों और व्यापक जनपरामर्श के आधार पर विधेयक का अंतिम प्रारूप तैयार किया जा रहा है। सरकार इसे जुलाई में होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में पेश कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति भोपाल में राजनीतिक दलों, धर्मगुरुओं, विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद यूसीसी विधेयक का अंतिम मसौदा तैयार कर सरकार को सौंप दिया जाएगा। भोपाल स्थित नरोन्हा प्रशासन अकादमी में 22 को सुबह से शाम तक बैठकों का दौर चला। इसमें महिला आयोग, बाल आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, अल्पसंख्यक आयोग समेत विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि अपने सुझाव दिया। समिति ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया। गृह विभाग कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक पहलुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया, जबकि अन्य विभाग अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े सुझाव समिति के समक्ष रखे। जानकारी के अनुसार समिति को ऑनलाइन, जनसुनवाई और अन्य माध्यमों से करीब दो से ढाई लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद यूसीसी का अंतिम प्रारूप तैयार किया जा रहा है। समिति का प्रयास है कि सभी वर्गों के हितों और चिंताओं को ड्राफ्ट में समुचित स्थान मिले।

### कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री शिवराज की गाड़ी रोकी

सीहोर के इछावर में आयोजित जनकल्याण शिविर राजनीतिक, प्रशासनिक और विकास के तीन बड़े संदेशों का केंद्र बन गया। मंच से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिस सख्त अंदाज में अफसरों को चेतावनी दी है। शिवराज ने साफ शब्दों में कहा कि गरीबों के हक पर डाका डालने वालों और सरकार की मंशा पर पलीता लगाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी मौके को भुनाते हुए खाद संकट, कॉलेज में विज्ञान संकाय और अधूरे डिवाइडर जैसे मुद्दों पर मंत्री का काफिला रोककर ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम के बीच राजनीतिक तापमान तब और बढ़ गया जब ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बलवान पटेल और विदिशा लोकसभा प्रभारी ब्रिजेश पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने तहसील कार्यालय के सामने केंद्रीय मंत्री का काफिला रोक लिया। कांग्रेस नेताओं ने मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र की कई गंभीर समस्याएं सामने रखीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया।

### शिवराज बोले- नारेबाजी मत करो, सब बराबर हैं

नारेबाजी के बीच शिवराज सिंह चौहान ने शांत लेकिन सख्त अंदाज में कार्यकर्ताओं को टोका। उन्होंने कहा कि नारेबाजी मत कीजिए। मैं किसी से पक्षपात नहीं करता। मेरे लिए सभी बराबर हैं। शिवराज के इस बयान के बाद माहौल शांत हुआ और उन्होंने गाड़ी से उतरकर कांग्रेस नेताओं व स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं।

## डिवाइडर मुद्दे पर भी घिरी व्यवस्था

स्थानीय नागरिकों ने नगर के बीच से गुजर रहे सीहोर-कोसमी स्टेट हाईवे पर अधूरे डिवाइडर का मुद्दा भी उठाया। लोगों ने बताया कि डिवाइडर निर्माण के लिए जगह छोड़ी गई थी, लेकिन वर्षों बाद भी वहां व्यवस्थित निर्माण नहीं हुआ। इससे यातायात व्यवस्था और शहर की सुंदरता दोनों प्रभावित हो रही हैं। लोगों ने डिवाइडर निर्माण और लाइटिंग व्यवस्था की मांग उठाई। ज्ञापन के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी अपनी मांग मजबूती से रखी। छात्रों ने कहा कि दशकों पुराने इछावर कॉलेज में आज तक विज्ञान संकाय शुरू नहीं हो पाया है। इस वजह से हर साल सैकड़ों विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे आर्थिक बोझ बढ़ता है और कई छात्रों की पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। छात्रों ने जल्द विज्ञान संकाय शुरू करने की मांग रखी।

## वीडियो संदेश जारी कर दी प्रतिक्रिया, नगाइच ने पटवारी को घेरा

संजय नगाइच ने एक वीडियो संदेश जारी कर जीतू पटवारी की प्रतिक्रिया को आपत्तिजनक बताया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही वे प्रदेशभर में वेयरहाउसों का आकस्मिक निरीक्षण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप वेयरहाउस कॉर्पोरेशन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने तथा भंडारण व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लगातार जिलों का दौरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उज्जैन और इंदौर संभाग के विभिन्न जिलों में स्थित वेयरहाउसों का निरीक्षण किया गया, जहां गेहूं खरीदी, खाद्यान्न भंडारण और अन्य

### पटवारी की प्रतिक्रिया को अहंकारपूर्ण और अमर्यादित : नगाइच

संजय नगाइच ने जीतू पटवारी की प्रतिक्रिया को अहंकारपूर्ण और अमर्यादित बताते हुए कहा कि उनके द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी ने व्यक्तिगत आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। नगाइच ने कहा कि संबंधित वेयरहाउस केंद्र सरकार की संस्था नाबार्ड से सब्सिडी लेकर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पटवारी ने वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के साथ अनुबंध किया है। ऐसे में अनुबंध की सभी शर्तों और नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वेयरहाउस में सरकार का करीब दो लाख क्विंटल गेहूं और अन्य खाद्यान्न भंडारित है तथा इसके लिए सरकार की ओर से प्रतिमाह लगभग 16 लाख रुपये किराया दिया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि वहां अग्नि सुरक्षा जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं में कमी पाई जाती है तो क्या नियमानुसार जांच और कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। यदि निरीक्षण और कार्रवाई की जाएगी तो आप राजनीतिक मुद्दा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस से नियमों का पालन करनी उम्मीद नहीं करना चाहिए यह कांग्रेस की कार्यपदिति में नहीं हैं।

व्यवस्थाओं की जांच की गई। नगाइच ने कहा कि इंदौर जिले के ग्राम पालिया स्थित जिस वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया, उसका संबंध कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से है। अध्यक्ष के अनुसार, निरीक्षण पूरी तरह नियमित प्रक्रिया का हिस्सा था। जांच के दौरान वहां कुछ कमियां सामने आईं, जैसी अन्य वेयरहाउसों में भी पाई गई हैं। ऐसे मामलों में संबंधित संचालकों और अधिकारियों को नियमानुसार नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी गंभीर लापरवाही मिलेगी, वहां नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

### कैबिनेट की मंजूरी के बाद विधानसभा में पेश होगा विधेयक

समिति की रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति इसका परीक्षण करेगी। वहां से मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट के समक्ष प्रस्ताव रखा जाएगा। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद इसे 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# कब चेतेंगे नियम बनाने और मानने वाले

> नियम-कायदों की अनदेखी जहां भी होगी वहां हादसे होने तय है। प्रदेश भर में आए दिन हो रहे सडक़ हादसे साफ बताते हैं कि सड़क सुरक्षा के ठोस प्रयासों की दरकार है। तेज रफ्तार वाहन सड़कों पर यमदूतों की तरह दौड़ते हैं। संकट यह भी कि हादसों के ब्लेक स्पॉट तो तय हो जाते हैं लेकिन यहां हादसे न हो इस बात के इंतजाम या तो होते ही नहीं या फिर आधे-अधूरे।

*पहाड़ हो, मैदान हो, पठार हो, रेगिस्तान हो या देश का कोई कोना हो। कोई ऐसा दिन नहीं है जिस दिल सड़क हादसे की खबर न आती हो। ऐस हादसों के दो बड़े कारण समझा आते है एक ओवर स्पीडिंग और झपकी आना। ऐसे में गाड़ी चलाने वालों को इसके लिए जागरूक होना होगा। साथ ही सरकारों को यातायात नियमों की कड़ाई के लिए कुछ ठोस व्यवस्था करना होगा। नियम-कायदों की अनदेखी जहां भी होगी वहां हादसे होने तय है। प्रदेश भर में आए दिन हो रहे सड़क हादसे साफ बताते हैं कि सड़क सुरक्षा के ठोस प्रयासों की दरकार है। तेज रफ्तार वाहन सड़कों पर यमदूतों की तरह दौड़ते हैं। संकट यह भी कि हादसों के ब्लेक स्पॉट तो तय हो जाते हैं लेकिन यहां हादसे न हो इस बात के इंतजाम या तो होते ही नहीं या फिर आधे-अधूरे। वाहनों की गति सीमा, लेन सिस्टम, सीट बैल्ट जैसे प्रावधान व शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान होने के बावजूद जब सड़कें 'मौत का गलियारा' बनती दिखे तो साफ लगता है कि ये सब कागजों की शोभा ज्यादा बढ़ा रहे हैं। राजधानी जयपुर में सीकर रोड पर नींदड़ मोड़ पर हुए हादसे की तस्वीरें सचमुच विचलित करने वाली हैं।*

*जिस ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला उसके चार माह में ही तीन चालान हो गए थे। इसके बावजूद जिम्मेदारों की लापरवाही से वह सड़कों पर दौड़ाया जा रहा था। नींदड़ मोड़ पर जहां हादसा हुआ वहां सड़क इंजीनियरिंग के पैमाने न जाने कहां हवा हो गए थे। यातायात प्रबंधन में सुधार तो दूर की बात है। जो जिम्मेदार हैं उनके लिए ये हादसे महज आंकड़ों में बदल जाते हैं और हादसों में मरने वालों के परिजनों की पीड़ा सरकारी फाइलों में बंद होकर रह जाती है। राजमार्ग ही नहीं बल्कि शहरों के अंदरुनी इलाकों में भी हादसों की रफ्तार कम नहीं। पैदल चलने वालों की तो ज्यादा मुसीबत है।पिछले दिनों ही नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े सामने आए थे जिसमें बताया गया था कि पैदल यात्रियों के लिए जिस जेब्रा क्रॉसिंग को सबसे सुरक्षित माना जाता है वहां भी अकेले हादसों में मौतों की संख्या में 74 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। इस वर्ष की शुरुआत में ही ये चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए थे कि पिछले दो वर्ष में ही कई राज्यों की सड़कों पर लाखों लोग कुचले गए। हैरत की बात यह है कि भारी वाहन चालकों का लाइसेंस बनाने के लिए ट्रेनिंग ट्रैकर तक नहीं और धड़ल्ले से लाइसेंस बनाए जाते हैं। जब कोई हादसा होता है तब ही सड़क सुरक्षा नियमों की परवाह की जाती है और फिर वही ढाक के तीन पात। हादसे थामने है तो यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करनी ही होगी।*

**(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)**

# जानलेवा बनती शिलाखंडों की बारहमासी बरसात

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

आजकल उत्तराखंड व हिमाचल में कई जगहों पर बरसात हो न हो, अचानक शिलाखण्डों का गिरना, पत्थरों के मलबों की बौछारों का होना असामान्य नहीं है। जब ये किसी वाहन, व्यक्ति या घर पर गिर जाते हैं और जानमाल की क्षति हो जाती है तो खबर हो जाती है। अन्यथा खाली सड़क पर या निर्जन क्षेत्रों में हों तो ये आम भूस्खलन भर मान लिये जाते हैं। कभी देखते ही देखते विशालकाय पर्वत खण्डों का ऐसा ढहना होता है कि लगता है कि जैसे पूरा का पूरा पहाड़ ही जमीन पर आ जायेगा। हर साल पहाड़ों से गिरते पत्थर लोगों को ही नहीं, पशुधन को भी हताहत कर देते हैं। इस साल भी उत्तराखंड में जून माह में ही ऐसी कई घटनाओं में मौतें भी हुई हैं व वाहन भी दबे हैं। पहाड़ों में सड़कें जैसे-जैसे चौड़ी की जाने लगती हैं तो पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना होता है।

पहाड़ों या शिलाओं को तोड़ने के लिए विस्फोटों का उपयोग भी आवश्यक हो जाता है। ऐसे में सड़कों पर आपदायें भी ज्यादा गहराने लगती हैं। जगह-जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों के लिए सलाह लिखी रहती है- रुकें, देखें, तब चलें। चिंताजनक यह है कि कुछ क्षेत्रों में भूवैज्ञानिकों व अभियंताओं के सुझाये उपायों के क्रियान्वयन के बाद सालों साल से भूस्खलन रुकता ही नहीं है। यह हर मौसम में लगातार होता रहता है। यहां मार्ग बन्द होते, खुलते, फिर बंद होते रहते हैं। इनके पास मलबा हटाने वाली मशीनों व कर्मियों को नियमित तैनाती भी कर दी जाती है। सड़कों के खुलने पर भी पहाड़ी पर अटके जमा टनों मलबे से पत्थर भी गिरते रहते हैं। पैदल यात्री व वाहन जोखिमों के साये में ऊपर खिसकते मलबे पर टकटकी लगाये भूस्खलन क्षेत्रों को पार करते हैं। काम भर सड़क खोलने की जल्दी में मुख्यत: दो बातें होती हैं। ये दोनों बातें कभी भी पत्थरों की अचानक बौछारों के जोखिम भी बढ़ा देते हैं। एक है मशीनों से जैसे-तैसे पहाड़ों को गहराई तक काट वाहनों की आवाजाही के लिए राह देने के दबावों के बीच मलबा कटान व उत्खनन से अपेक्षाकृत स्थिर ढाल भी अस्थिर बन जाते हैं। पहाड़ों में भूस्खलनों को हटाने के लिए विस्फोट भी करना पड़ता है।

लेकिन उन्हें स्थिर करने या रोक दीवार बनाने का आवश्यक काम उपेक्षित रह जाता है। जल्दी में यह हो भी नहीं सकता है। जिन दिनों भूस्खलन से कुछ राहत रहती है तब भी नहीं किया जाता है। इस कारण शुष्क दिनों में भी भूस्खलन होता रहता है। ऐसे में भारी बोल्डर्स भी जब-तब लुढ़कते रहते हैं। दूसरा है कि सड़क खोलने में ज्यादा देर न हो, इसलिये कुछ मलबा पहाड़ी में ही छूटा रहने दिया जाता है। यह भी किसी क्षेत्र को लगातार भूस्खलन जोन बना देता है। भूस्खलन का मलबा, जो पूरी तरह से नीचे न लाया गया या न आ पाया हो वह बरसातों में, मशीनी कम्पनों या भूकम्पकीय सक्रिय क्षेत्रों में छोटे भूकम्पों से भी पुन: ढहना शुरू कर सकता है। निरंतरता वाले भूस्खलन वाले क्षेत्रों से गिरने वाले अधिकांश पत्थर या शिलाखंड वे होते हैं जिन्हें बांधे रखने में मिट्टी व कंकर बजरी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बरसातों में पत्थरों को बांधे मिट्टी जब बहने लगती है तो पुन: पत्थर, शिलाखण्डों की बौछारें शुरू हो जाती हैं। पहाड़ी जलागम वृक्षविहीन हो रहे हैं। इससे भी भूस्खलनों व भूक्षरण में कमी लाना मुश्किल हो जाता है। ढलानों पर पत्थर मलबा कई बार केवल झाड़ियों या पेड़ों के कारण टिके रहते हैं जिन्होंने उनके लुढ़कने के राहों पर अंकुश लगा दिया होता है। किन्तु जब जंगलों की आग इन झाड़ियों, पेड़ों को जला देती है तो इनके सहारे रुके शिलाओं, मलबे का एकाएक फिर से ढहना शुरू हो जाता है। गर्मियों के माह की वनाग्नियों के बाद की बरसातें मलबा ढहने को और तेज कर देती हैं। भूस्खलन आखिर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वशीभूत मलबा ढहना ही तो है। उन पहाड़ियों की दरारों में जिन पर मलबा टिका है, बरसाती पानी के घुसने से भी दरारों में फैलाव आ जाता है। दरार खण्डित भूखण्डों का टूटना तेज हो जाता है। परिणामस्वरूप भूस्खलन व मलबा बिखराव पुन: प्रारंभ हो जाता है।

अत: लगातार बने भूस्खलन जोखिमों के क्षेत्र में, वैज्ञानिकों की राय लेकर बरसाती जल की उचित ड्रेनेज व्यवस्था बनाना जरूरी है।

भूस्खलन रोकथाम पर लगभग तीन सौ करोड़ रुपयों के खर्चे के बाद भी जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में शहर के बीचोंबीच स्थित वरुणाव्रत पहाड़ी से दो दशकों से भूस्खलन रह-रहकर हो ही जाते हैं। पहली बार सितम्बर, 2003 को इस पहाड़ी से बड़ा भूस्खलन हुआ था। पहाड़ी के जड़ में बसे सौ से ज्यादा घर दुकान होटल पूरी तरह से मलबे के नीचे आ गये थे। सौ से ज्यादा अन्य निजी व सरकारी भवन भी क्षतिग्रस्त हुए थे। करीब तीन हजार लोगों का विस्थापन हुआ था। 28 अगस्त, 2018 को फिर यहां भूस्खलन होना शुरू हो गया था। दरअसल, भारत और यूरेशिया प्लेटों के बीच टकराव से बने हिमालयी पहाड़ों में अस्थिरता भी लगातार के भूस्खलनों व भूकम्पों की संभावनायें बढ़ाती हैं।

# सुख-सृजन की अनंत संभावनाओं का जीवन

डॉ. सुखनंदन सिंह

**जीवन की असली सम्पदा इंसान के अंदर कस्तूरी मृग की भांति छिपी पड़ी है। भ्रम की मरीचिका के कारण वह इसे बाहर ढूंढ़ता फिर रहा है। वासना, तृष्णा और अहंता के नागपाश में बंधकर वह जीवन की सुख-संतुष्टि की तलाश बाहर खोजने के लिए प्रेरित हो रहा है।**

मनुष्य जीवन कितना बेशकीमती है, इसका सामान्यतया अहसास नहीं हो पाता, क्योंकि यदि अहसास होता तो यह बहुमूल्य उपहार यूं ही व्यर्थ नष्ट नहीं होता। दुर्व्यसन से लेकर नशा एवं आत्मघाती कृत्यों के साथ जीवन लीला को अपने हाथों से नष्ट करते समाचार नित्य समाचारों की सुर्खी बनते हैं। इसके साथ भ्रष्टाचार से लेकर आतंक एवं आपराधिक गतिविधियों के समाचारों के साथ देवत्व एवं ईश्वरत्व की संभावनाओं से युक्त मनुष्य जीवन को पतन-पराभव के गर्त में गिरते देखा जा सकता है। जबकि मनुष्य जीवन में सुख-शांति व सृजन के अभूतपूर्व रोमांच की अनन्त संभावनाएं हैं। हर इंसान इनकी कल्पना भी करता है, नाना रूपों में पाने की चेष्टा करता है, लेकिन जीवन की सही समझ के अभाव में वह दिशा भटक जाता है।

जिस संतुष्टि, स्वतंत्रता व आनन्द की कल्पना मनुष्य बाहरी सम्पदा, मोह-ममता और सत्ता-सुख में करता है, वे भी अंतत: मृग मरीचिका बनकर पहुंच से दूर हो जाती हैं और जीवन के अंतिम पलों में हाथ कुछ लगता नहीं। भारतीय परम्परा में मनुष्य जीवन को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ उपहार माना गया है और इसे सुदुर्लभ कहा गया है। देवता भी मनुष्य शरीर को प्राप्त करने के लिए तरसते हैं, क्योंकि इसी में वे संभावनाएं मौजूद हैं, जो आत्मतत्व को जाग्रत करते हुए सकल मानवीय सीमाओं एवं दु:ख को तिरोहित कर सके और जीव से शिव, नर से नारायण की यात्रा सम्पन्न करते हुए अंतत: परमात्मा के प्रतिरूप आत्म-स्वरूप को प्राप्त कर सके। भारतीय परम्परा में जीवन का मूल्य बाहरी उपलब्धियों, धन-दौलत व पद-प्रतिष्ठा आदि में कभी नहीं रहा है, ये सेवा के लिए जीवन के सहज अवलम्बन हो सकते हैं, जीवन उद्देश्य नहीं। यदि इनके रहते भी व्यक्ति अशांत, असंतुष्ट, हैरान-परेशान और जीवन के आनन्द से वंचित है, तो यह घाटे का सौदा माना जाएगा। आश्चर्य नहीं कि बुद्ध भगवान से लेकर महावीर, नानक, कबीर एवं महर्षि रमण जैसे ऋषितुल्य शिखर पुरुष शांति, आनन्द व धन्यता की खोज में किसी बाहरी सुख-सुविधा व सत्ता आदि के मोहताज नहीं रहे, बल्कि इन सबका त्याग करते हुए जीवन के परम लाभ को प्राप्त हुए।

आज भी प्रेरणा के प्रकाशपुंज बनकर जीवन जीने का कालजयी संदेश दे रहे हैं। इन सबका एक ही संदेश रहा कि जीवन की असली सम्पदा इंसान के अंदर कस्तूरी मृग की भांति छिपी पड़ी है। भ्रम की मरीचिका के कारण वह इसे बाहर ढूंढ़ता फिर रहा है। वासना, तृष्णा और अहंता के नागपाश में बंधकर वह जीवन की सुख-संतुष्टि की तलाश बाहर खोजने के लिए प्रेरित हो रहा है, लेकिन उसका हर प्रयास चूक जाता है और अंतत: जब समय आता है तो काफी देर हो चुकी होती है। समय रहते इसकी समझ व अंतर्दृष्टि विकसित की होती, तो हाथ में कुछ सार्थक लगता, जिसकी वह चिरकाल से प्रतीक्षा कर रहा था।

लकड़हारे की कहानी प्रख्यात है कि उसे राजा द्वारा उसके उपकार के लिए उपहार के रूप में एक चंदन का जंगल भेंट में मिलता है। राजा को आशा थी कि अब उसकी गरीबी दूर हो जाएगी और वह एक खुशहाल जीवन जीएगा। लकड़हारा इस वन से पेड़ काटकर, इसका कोयला बनाता और पास के शहर में जाकर बेच आता। जब एक दिन राजा जंगल में वहां से गुजरता है तो आश्चर्यचकित होता है कि लकड़हारा उसी झोपड़ी में रह रहा है, जबकि उसे उम्मीद थी कि वह अब तक सम्पन्न हो गया होगा। अब वहां कुछ पेड़ बचे थे। राजा ने पूरा हाल-चाल पूछा तो माथा ठोक कर रह गया। और लकड़हारे को समझाया कि यह चंदन का पेड़ है, जिसका एक पेड़ भी इसकी दरिद्रता को दूर करने के लिए पर्याप्त था। लकड़हारा अपनी मूर्खता पर पछताता है और बचे वृक्षों का सदुपयोग करते हुए शेष जीवन को सम्पन्नता एवं धन्यता के साथ गुजारता है।

यही कहानी हर इंसान की है, जिसे ईश्वर ने वे सारी क्षमताएं, विभूतियां बीज रूप में प्रदान की हैं — एक स्वस्थ-सबल काया, कम्प्यूटर से भी तेज चलने वाला मस्तिष्क, वायु से भी तीव्र मन, किसी भी समस्या को भेदने में सक्षम बुद्धि, प्रेरणा की अजस्र स्रोत भावनाएं, अस्तित्व के हर रहस्य को भेदने में सक्षम अंतर्प्रज्ञा, किसी भी कल्पना को मूर्त करने में सक्षम इच्छाशक्ति। और साथ में समय के रूप में सबको चौबीस घंटे, जिनका सदुपयोग करते हुए वह अपनी मनचाही सृष्टि का सृजन कर सकता है। और अपने देवत्व, ईश्वरत्व को चैतन्य करते हुए इस जीवन को धन्य एवं सफल सार्थक कर सकता है। देर इनके प्रति जागने भर की है, नित्य अपने अंतर मन में झांकने की है, आत्मनिरीक्षण करते हुए इसमें बाधक आंतरिक एवं बाह्य तत्वों को पहचान कर दूर करने भर की है। नित्य स्वाध्याय सतसंग एवं आत्मचिंतन-मनन के प्रकाश में प्राप्त अंतर्दृष्टि के आधार पर वह इसे सहजता से अर्जित कर सकता है।

## स्मार्टफोन का इस्तेमाल

नींद खुलते ही मोबाइल स्क्रीन की ब्लू लाइट के संपर्क में आना आपकी आंखों और दिमाग के लिए बेहद हानिकारक है। जैसे ही आप सोशल मीडिया या काम के ईमेल देखते हैं, शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का लेवल अचानक बढ़ जाता है। यह आदत आपको दिन की शुरुआत में ही मानसिक रूप से थका देती है और एकाग्रता में कमी का कारण बनती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से ड्राई आई सिंड्रोम, आंखों में जलन, धुंधला दिखना और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। इसके अलावा आंखों की रोशनी भी कम हो सकती है। लगातार मोबाइल चलाने से आंखों पर दबाव पड़ता है, जिससे सिरदर्द या माइग्रेन की समस्या हो सकती है। जो लोग पहले से ही माइग्रेन के शिकार हैं, उनके लिए लगातार स्क्रीन एक्सपोजर इसे और बढ़ा सकता है।

## चाय या कॉफी का सेवन

भारतीय घरों में बेड टी का रिवाज आम है, लेकिन यह पाचन तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। खाली पेट कैफीन का सेवन शरीर में एसिडिटी और पित्त के असंतुलन को बढ़ाता है। इससे न सिर्फ पेट में जलन और कब्ज की समस्या होती है, बल्कि यह शरीर के पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है। चाय और कॉफी दोनों में ही प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। अगर इन दिनों का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए तो ये शरीर को कई तरह की बीमारियां और मौसम बदलने पर होने वाले शारीरिक नुकसान से बचाने में मददगार साबित होती है। थकान चाय और कॉफी दोनों में ही कैफीन की मात्रा पाई जाती है, जो शरीर की थकान को उतारने में मददगार साबित होती है। ध्यान रहे कि थकान उतारने के लिए ज्यादा कैफीन लेना भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

# सुबह की ये गलतियां आपको पहुंचा सकती हैं भारी नुकसान

कहते हैं कि सुबह की पहली किरण सिर्फ सूरज की रोशनी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और संभावनाओं का उपहार लेकर आती है। हालांकि, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोगों ने इस बेशकीमती समय को अपनी गलत आदतों की भेंट चढ़ा दिया है। सुबह के समय हमारा शरीर रिकवरी मोड से बाहर आ रहा होता है, ऐसे में नींद खुलते ही अक्सर लोग कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो शरीर को अंदर से खोखला बना सकता है। यह छोटी सी लापरवाही आपके मेटाबॉलिज्म, मानसिक स्वास्थ्य और पाचन तंत्र पर गहरा असर करती है। अगर आप भी सुबह उठते ही भारीपन या तनाव महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके मॉर्निंग रूटीन की उन गलतियों में है जो जाने-अनजाने में आपकी कार्यक्षमता और आयु को कम कर रही हैं।

## नाश्ता न करना

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, जिसे छोड़ने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। जो लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता नहीं करते, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वे दोपहर में ओवरईटिंग करने लगते हैं। एक हेल्दी जीवन के लिए सुबह जल्दी उठें, पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें ताकि आप दिन भर एनर्जेटिक बना रहे। कई शोध और अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि सुबह का नाश्ता स्किप करने से आपको टाइप 2 डायबिटीज का खतरा ज्यादा रहता है। सुबह नाश्ता ना करने से आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है। रात में लगभग 6 से 7 घंटे नींद लेने के बाद आपका पेट एकदम से खाली हो जाता है। ऐसे में सुबह के समय हेल्दी और पौष्टिक नाश्ता जरूर करना चाहिए।

## पानी न पीना

रात भर की 7-8 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर पूरी तरह डिहाइड्रेट (पानी की कमी) हो जाता है। सुबह उठकर पानी न पीना आपके अंगों को सक्रिय होने से रोकता है। पानी की कमी के कारण किडनी और लीवर शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाते, जिससे त्वचा बेजान नजर आने लगती है और आप सुबह से ही सुस्ती महसूस करते हैं। सुबह खाली पेट एक गिलास नॉर्मल पानी पीने के फायदे जग जाहिर हैं। यह शरीर के अंदर अंगों को सक्रिय करने में मदद करता है, टॉक्सिन्स को हटाता है और कब्ज से राहत दिलाता है।

## हंसना मना है

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक वृद्ध आदमी के पास से गुजरा और बोला- बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का- नहीं अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति-पत्नी दोनों मार्किट गए, वहां पति ने एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में - बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर - ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति- काम के लिए बाई रखे? पत्नी-नहीं चाहिए। पति- क्यों? पत्नी- तुम्हारी आदतें मैं अच्छी तरह से जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

सरकार का नया रूल, जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे है उनको लेके आता हूं! पप्पू: अपने 3 कहां गए? वाईफ : जिसके थे वह ले गया।

## कहानी | बहरूपियों से हमेशा सतर्क एवं सावधान रहें

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी ने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतर ने कहा, भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है। कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके दु:ख का कोई ठिकाना न रहा और पल भर में ही उसका सारा संसार उजड़ गया। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। राजा बहुत दयालु इंसान था। राजा ने तुरंत अपने सैनिकों को उस शिकारी को पकड़कर लाने का आदेश दिया। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसके बाद राजा ने कबूतरी को ही उस शिकारी को सजा देने का अधिकार दे दिया और उससे कहा कि तुम जो भी सजा इस शिकारी को देना चाहो दे सकती हो। कबूतरी ने बहुत दु:खी मन से कहा कि हे राजन, मेरा जीवन साथी तो इस दुनिया से चला गया जो फिर कभी भी लौटकर नहीं आएगा, इसलिए मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए। ये अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े उतार दे क्योंकि अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े पहन कर धोखे से घिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं। इसलिए अपने आसपास अच्छे व्यक्ति बनने का ढोंग करने वाले बहरूपियों से हमेशा सावधान रहें।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** आज नया रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। विवाद न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

**तुला** शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

**वृषभ** फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

**वृश्चिक** चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

**मिथुन** विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। व्यसनाधीनता से बचें।

**धनु** पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएंगे।

**कर्क** घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

**मकर** पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

**सिंह** धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

**कुम्भ** प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

**कन्या** चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

**मीन** पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियां निर्मित होंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

# वरुण की मां का रोल पर मौनी रॉय बोलीं- 'मुझे फर्क नहीं पड़ता'

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे। मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं। फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, उनकी मां? फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी से कहानी सुनी। मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी। और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है? फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है।

# कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं अनुष्का सेन

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा जेजू ओले में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉन्गराइटर सुनवू (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है। हाल ही में, अनुष्का ने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की। इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि जेजू ओले का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं। उन्होंने कहा कि जेजू ओले जैसी फिल्म में लीड रोल निभाना, किसी सपने के सच होने जैसा है। यह फिल्म कई जगहों के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसकी शूटिंग पूरे जेजू आइलैंड पर हुई है। फिलहाल, इसे साउथ कोरिया, भारत और कई अन्य एशियाई और मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज करने की योजना है।

**जेजू ओले में मिला लीड रोल**

# पांच साल बाद फिर डराने आ रहे हाशमी

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म रूह की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म रूह की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल रूह लिखा नजर आता है। मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

बॉलीवुड हंगामा ने इमरान हाशमी के हवाले से लिखा है रूह एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे तुरंत अपनी ओर खींचा, क्योंकि इसमें नए जमाने की हॉरर, भावना और संगीत का बहुत जबरदस्त मेल है। दर्शक हमेशा से मुझे इस तरह की फिल्मों से जोड़कर देखते आए हैं। मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत दमदार, इमोशनल और सिनेमैटिक लगती है। रूह के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित किया है। मैं सच में चाहता हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें।

**फिल्म रूह की हुई घोषणा**

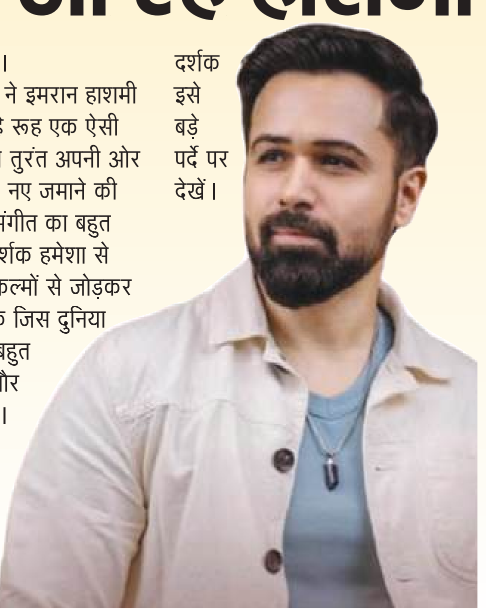

# किसी जानवर का दूध शराब-सा नशीला, तो किसी का होता है जहरीला!

दूध जिसे सबसे पौष्टिक आहार माना जाता है। इसके सेवन से शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी को दूर किया जा सकता है। शरीर को ताकतवर बनाए रखने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स दूध पीने की सलाह देते हैं। भैंस और गाय के दूध को आमतौर पर लोग पीना पसंद करते हैं और इनके दूध को पीने से कई फायदे भी मिल सकते हैं। भैंस और गाय के दूध के अलावा लोग भेड़, बकरी और ऊंट का दूध भी पीते हैं। हालांकि, अन्य जानवर भी हैं जिनके दूध का सेवन किया जा सकता है और वो उनके अलग फायदे होते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ जानवर ऐसे भी हैं जिनके दूध को मनुष्य ना ही पिएं तो अच्छा है। जी हां, आज हम आपको ऐसे जानवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके दूध को पीने की गलती कभी भी मत करना। किस जानवर का दूध शराब-सा नशीला होता है? और किस जानवर के दूध में जहर होता है? मादा हाथी यानी हथिनी का दूध सबसे ज्यादा नशीला होता है। इसे पीने से शराब जैसा नशा चढ़ सकता है। रिसर्च में भी ऐसा दावा किया जा चुका है कि हथिनी का दूध इंसानों के लिए नहीं होता है। इसमें मौजूद केमिकल मनुष्य के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। हथिनी का दूध बेहद नशीला होने के साथ-साथ प्रोटीन और फैट की मात्रा में अधिक होता है। अगर कोई व्यक्ति हथिनी का दूध पी ले तो उसके लिए इसे डाइजेस्ट करना भी मुश्किल हो सकता है। लैक्टोज और ओलिगोसैकेराइड का लेवल ज्यादा होने के कारण पाचन तंत्र भी खराब हो सकता है। ये ही कारण है कि हथिनी का दूध इंसानों का नहीं पीना चाहिए। रिसर्च के अनुसार शेरनी का दूध भी मनुष्य के पीने योग्य नहीं है। शेरनी के दूध को जहरीला कहा जाता है और इसे पीने से व्यक्ति की मौत तक हो सकती है। कोरा वेबसाइट की मानें तो शेरनी के दूध को इंसानों को नहीं पीना चाहिए इसमें पामिटिक और स्टीयरिक और मोनो अनसैचुरेटेड जैसे फैटी एसिड मौजूद होते हैं। कहा जाता है कि शेरनी का दूध काफी गर्म होता है और इसे पीने से दिमाग पर गर्मी चढ़ सकती है, जो इंसान को पागल भी कर सकती है।

अजब-गजब

## कहीं कमर दिखाकर मिलती है जॉब

# तो कहीं एक्स्ट्रा काम करना है गुनाह!

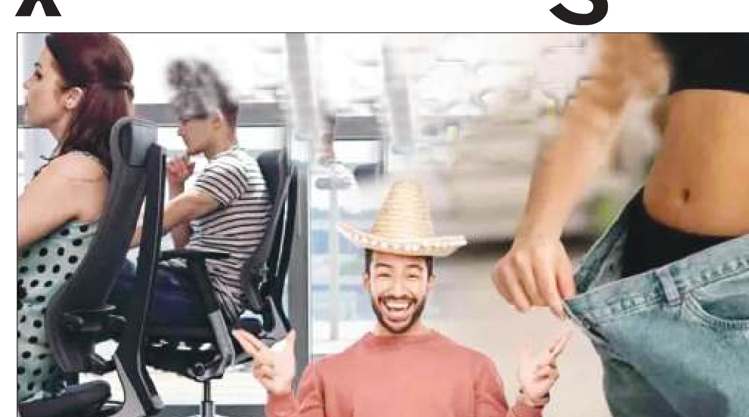

नौकरी के नौ काम दसवां काम हां हजूरी ये कहावत तो आपने भी सुनी होगी। यहां तक कि अगर एक नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अनुभव भी किया होगा। जॉब लाइफ में 10 तरह की चीजों और नियम-कायदे होते हैं जिन्हें अपनाना सभी के लिए जरूरी हो जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि कुछ नियम ऐसे भी होते हैं जिससे नौकरी मिलना या नौकरी जाने का खतरा भी रहता है। नौकरी नियमों में पतली कमर से लेकर ऑफिस में ज्यादा समय तक रुकना भी शामिल है। यहां तक कि कई जगहों पर काम करते समय सोना या आराम करना भी जरूरी है, जो ऐसा नहीं करता है उस पर सख्ती दिखाई जाती है। जी हां, टोपी पहने का शौक सैलरी कटने की वजह बन सकता है। दरअसल, जर्मनी में ओवरटाइम को लेकर सख्ती है। तय समय सीमा से ज्यादा समय तक काम करने पर सख्त कार्रवाई की जाती है। इतना ही नहीं, 9 से 5 बजे तक के वर्किंग आवर्स के बाद यहां के लोग ऑफिस के कर्मचारियों से भी कॉन्टैक्ट नहीं कर सकते हैं। किसी तरह की इमरजेंसी होने पर संपर्क कर सकते हैं। नियम के अनुसार ऑफिस टाइम खत्म होने के बाद कर्मचारी से कॉन्टैक्ट करना प्रतिबंध है। इसके पीछे की वजह लोगों के लिए खुल के जीना है। वहीं जापान में मेटाबो लॉ है जिसके मुताबिक लोगों को नौकरी उनकी कमर दिखकर दी जाती है। दरअसल, मोटापा कम करने के लिए ये नियम लागू है। पतली कमर वाले लोगों को हायर किया जाता है। 40 से 75 साल के उम्र वाले सभी कर्मचारियों के लिए एक सीमा तय है और उसमें आने वाले लोगों को ही नौकरी दी जाती है। महिलाओं की कमर 35.4 इंच तक होनी चाहिए। जबकि, पुरुषों की कमर 33.5 इंच तक की होनी चाहिए। इससे ज्यादा कमर वाले लोगों को जॉब मिलने में मुश्किल होती है। सीमा से ज्यादा होने पर लोगों के लिए जरूरी है कि वो 3 महीने के अंदर अपना वजन कम कर लें, न करने पर उनके लिए डाइटिंग क्लास और हेल्दी खानपान की सुविधा भी प्रदान की जाती है। न्यूजीलैंड में ऑफिस में कॉमेडिक यानी फनी हैट पहनने की मनाही है। ऐसे पहनने वाले पर सख्त कदम उठा जाते हैं। हालांकि, जापान में नौकरी करने वाले लोगों ऑफिस टाइम पर सो सकते हैं। यहां के लोगों को काम करते समय सोने के लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

# तमिलनाडु में सीएम विजय पर निजी टिप्पणी को लेकर बवाल

» डीएमके नेता उदयनिधि टीवीके के निशाने पर

» विजय की टिप्पणियों से विपक्ष का विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु की सियासत में उस समय भारी घमासान मच गया जब सत्तारूढ़ डीएमके और नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के बीच का राजनीतिक टकराव बेहद निजी और तीखे हमलों में बदल गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा मुख्यमंत्री विजय पर की गई एक बेहद निजी टिप्पणी के बाद दोनों दलों के बीच तलवारें खिंच गई हैं। यह पूरा विवाद मुख्यमंत्री विजय द्वारा विधानसभा में डीएमके सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों और उसके जवाब में उदयनिधि द्वारा किए गए पलटवार के बाद शुरू हुआ।

विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान, विजय ने पिछली डीएमके सरकार पर पार्टी फंड इकट्ठा करने के नाम पर जनता के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि टीवीके सरकार भ्रष्टाचार या जनता के पैसे के दुरुपयोग की इजाजत नहीं देगी। उनकी टिप्पणियों पर टीवीके सदस्यों ने तुरंत आपत्ति जताई और उदयनिधि स्टालिन ने मांग की कि ऐसे आरोपों के समर्थन में सबूत पेश किए जाएं। विरोध के बावजूद, स्पीकर ने विजय को अपना भाषण जारी रखने की अनुमति दी, जिसके चलते विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। यह टकराव तब शुरू हुआ जब विजय ने विधानसभा में अपने भाषण के दौरान गुमशुदा व्यक्ति की कहानी सुनाई, जिसे डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन पर तंज के तौर पर देखा गया। अपने लगभग 45 मिनट के भाषण को खत्म करने से पहले, विजय ने एम.के. स्टालिन से जुड़े एक खास हाथ के इशारे को भी दोहराया, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने तालियां बजाईं और मेजें थपथपाईं।

## डीएमके भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवालों से भाग रही : टीवीके

उदयनिधि की टिप्पणियों का जवाब देते हुए, टीवीके ने डीएमके भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवालों से बचने और इसके बजाय निजी हमले करने का आरोप लगाया। पार्टी ने एक बयान में कहा कि जब भी विजय कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे उठाते हैं, तो डीएमके नेता जवाब देने में नाकाम रहते हैं और इसके बजाय व्यक्तियों को निजी तौर पर निशाना बनाते हैं। पार्टी ने आगे दावा किया कि विपक्ष राजनीतिक आलोचना का जवाब देने में असहज महसूस कर रहा था और उसने विधानसभा में उठाए गए मुद्दों से ध्यान भटकाने का रास्ता चुना।

## मुख्यमंत्री ने किसानों का किया अपमान : उदयनिधि

विधानसभा सत्र के बाद, उदयनिधि स्टालिन ने विजय पर तीखा हमला बोला। किसानों के बारे में विजय की टिप्पणियों और विधानसभा में उनकी छोटी कहानी वाली बात का जिक्र करते हुए, उदयनिधि ने मुख्यमंत्री पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। इसके बाद वे राजनीतिक आलोचना से हटकर निजी हमले पर उतर आए और चेंगलपट्टू कोर्ट में पति की तलाश कर रही पत्नी का जिक्र किया - जो जाहिर तौर पर विजय और उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम के बीच चल रही तलाक की कार्यवाही की ओर इशारा था।

# गुरु अपमान पर सीएम मान को गिरफ्तार किया जाए : सिरसा

» भाजपा ने आप पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सिख गुरुओं के कथित अपमान वाले वीडियो पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की गिरफ़्तारी की मांग की है और उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। इस बीच, गुरुग्राम पुलिस ने मान से जुड़े वायरल वीडियो की फ़ोरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है, जिन पर पंजाब के अधिकारियों से पैसे लेने का आरोप है। मान ने इसे अपने खिलाफ़ एक सोची-समझी साजिश बताते हुए दावा किया है कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति वे नहीं, बल्कि एक अभिनेता है। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की गिरफ्तारी की मांग की।

उन्होंने एक कथित वीडियो पर कड़ी आपत्ति जताई जिसमें सिख गुरुओं की तस्वीरों का अपमान होता दिख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल इस मुद्दे पर चुप रहे। उन्होंने फोरेंसिक रिपोर्ट सौंपने वालों के खिलाफ गिरफ्तारी और केस दर्ज किए जाने का भी आरोप लगाया और इसे सिखों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले मामले को दबाने की कोशिश बताया। सिरसा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भगवंत मान चुप रहे, अरविंद केजरीवाल भी चुप रहे, और आज उन लोगों के खिलाफ गिरफ्तारियां और केस दर्ज किए गए जिन्होंने यह फोरेंसिक रिपोर्ट दी थी। जिस तरह से इतना बड़ा पाप किया गया है और पैसे व पुलिस की मदद से इसे दबाने की कोशिश की गई है, उसने सिख संस्थाओं, सिखों की गरिमा और सिखों की भावनाओं को चुनौती दी है। पंजाब के सीएम भगवंत मान के खिलाफ केस कब दर्ज होगा? इस मामले में भगवंत मान की गिरफ्तारी कब होगी?

# गद्दारों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : संजय राउत

» शिंदे ने दावा किया कि पार्टी को आगे भी झटके लगते रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल होने की घोषणा के दो दिन बाद, पार्टी नेता संजय राउत ने बागी नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए गद्दारों के खिलाफ लड़ाई का ऐलान किया। यह घटनाक्रम ऑपरेशन टाइगर के बाद सामने आया, जब सोमवार को उद्धव गुट के छह सांसदों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में औपचारिक रूप से शामिल होने की घोषणा की थी। एक्स पर एक पोस्ट में, राज्यसभा सांसद राउत ने लिखा कि ना थके कभी जोड़ी, ना हिम्मत हारी है। लड़ना है महाराष्ट्र के गद्दारों के खिलाफ, हौसला है बुलंद, सफर जारी है।

इस पोस्ट में शिवसेना-यूबीटी नेता की तस्वीर भी थी, जिसमें वे राइफ़ल पकड़े हुए दिख रहे। वहीं शिंदे ने दावा किया कि पार्टी को आगे भी झटके लगते रहेंगे, जिससे संकेत मिलता है कि उद्धव के गुट में और भी बड़ी फूट पड़ सकती है। बागी सांसदों में नागेश पाटिल अष्टिकर, ओमराजे निंबालकर, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, संजय देशमुख और भाऊसाहेब वाकचौरे शामिल हैं। पाला बदलने के तुरंत बाद, शिंदे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा- शेर यहां आ गए हैं... ऑपरेशन टाइगर अब पूरा और सफल हो गया है।

# फिर तेवर में आईं पूर्व सीएम ममता बनर्जी

» आठ नेताओं को पार्टी से निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में अंदरूनी कलह के बीच पूर्व सीएम एकबार फिर तेवर में आ गई हैं। पार्टी ने फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास समेत 8 सीनियर नेताओं को पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में बाहर निकाल दिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह अनुशासनात्मक कार्रवाई नेतृत्व के बढ़ते संकट और गुटबाजी के कारण की गई है, क्योंकि कई नेता कथित तौर पर ऐसे काम कर रहे थे जो पार्टी के आधिकारिक रुख के खिलाफ थे। संगठनात्मक भूमिकाएं निभा चुके हैं। पार्टी में चल रहे इस बड़े बदलाव के दौरान बाहर निकाले गए नेताओं में ये दोनों सबसे प्रमुख नाम हैं।

यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर हफ़्तों से चल रही राजनीतिक अस्थिरता के बाद हुआ है। इस दौरान असहमति के आरोप, नेतृत्व को लेकर विवाद और संगठनात्मक फ़ैसलों पर नियंत्रण के लिए अलग-अलग गुटों के दावों जैसी स्थितियां देखने को मिलीं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फ़ैसले का मकसद पार्टी में आंतरिक अनुशासन बहाल करना और नेतृत्व की पकड़ मज़बूत करना है। इसे हाल के वर्षों में पार्टी नेतृत्व के सामने आई सबसे गंभीर आंतरिक चुनौतियों में से एक माना जा रहा है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण की कोशिश में विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने सोमवार को विधायक अरूप रॉय को अध्यक्ष चुना। यह पार्टी संस्थापक ममता बनर्जी के प्राधिकार को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है।

## अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की मिली अनुमति

कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी से सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी। अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की मंजूरी मांगते हुए अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें राहत दी। यह याचिका जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की अदालत में दाखिल की गई थी। इसमें अभिषेक बनर्जी ने लगभग एक सप्ताह की विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी। उन्होंने अदालत से उस पाबंदी में ढील देने का अनुरोध किया था, जिसके तहत कथित भड़काऊ बयान देने के मामले में उनकी यात्रा पर रोक लगाई गई थी। इस मामले में आगे की सुनवाई इसी सप्ताह होने की संभावना है। इससे पहले भी अभिषेक बनर्जी आंखों के इलाज के लिए विदेश जा चुके हैं। उस समय कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति मिली थी। यह आदेश कोयला तस्करी मामले से जुड़े एक प्रकरण में जस्टिस विवेक चौधरी की अदालत ने दिया था।

# टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज बनीं श्री चरणी

» इंग्लैंड की चार्ली डीन दूसरे और हमवतन लिन्से स्मिथ तीसरे स्थान पर काबिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने इतिहास रच दिया है। जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपने शानदार और मैच जिताऊ प्रदर्शन के दम पर वह पहली बार आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग के शीर्ष पायदान पर पहुंच गई हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग अपडेट में उन्हें टूर्नामेंट में लगातार मैच जिताने वाले प्रदर्शनों का बड़ा इनाम मिला है। 21 साल की इस युवा खिलाड़ी ने इस वैश्विक प्रतियोगिता में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनकर दुनिया में पहला स्थान हासिल किया है।

इस धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने इंग्लैंड की स्पिनर लिन्से स्मिथ को नंबर-1 के सिंहासन से नीचे धकेल दिया है। लीड्स में नीदरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा चार विकेट हॉल (चार विकेट) लेने के बाद, चरणी ने मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट चटकाए। इन दमदार प्रदर्शनों ने उन्हें इतने रेटिंग अंक दिलाए कि वह स्मिथ को पीछे छोड़कर महिला क्रिकेट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज बन गईं। जहां एक ओर श्री चरणी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया, वहीं इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ विश्व कप की अपेक्षाकृत शांत शुरुआत के बाद दो स्थान फिसलकर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। उनकी हमवतन खिलाड़ी चार्ली डीन इंग्लैंड के शुरुआती तीन मैचों में पांच विकेट लेने की बदौलत दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। पूर्व विश्व नंबर-1 सोफी एक्लेस्टोन चार पायदान की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नौ स्थानों के सुधार के साथ 11वें नंबर पर आ गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ ने सबसे लंबी छलांग लगाई है, जो 25 स्थानों की बढ़त के साथ शीर्ष 20 में शामिल हो गई हैं। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना सुधार के साथ 25वें और आयरलैंड की ओर्ला प्रेंडरगास्ट भी महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

## पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को मिला पद्म श्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को पद्म अवॉर्ड्स दिए। वहीं, दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को पद्म भूषण सम्मान और महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पूनिया को पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया है। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश के भगवानदास रायकवार को मरणोपरांत पद्म श्री पुरस्कार दिया गया। पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। रोहित ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वनडे क्रिकेट में वह भारत के अहम खिलाड़ी बने रहे। पिछले साल उन्होंने वनडे प्रारूप में 650 रन बनाए और टीम के लिए लगातार योगदान दिया। रोहित के ही नेतृत्व में भारत ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब जीते थे।

# मप्र के सीएम मोहन यादव के परिवार की जमीन खरीद को लेकर सियासी भूचाल

## दिल्ली से लेकर यूपी तक बवाल

## कांग्रेस व सपा ने भाजपा पर किया करारा हमला

» ओपी राजभर भी मामले में कूदे

» प्रदेश में डबल इंजन सरकार के तहत लूट का इंजन चल रहा है : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र के सीएम मोहन यादव के परिवार की जमीन खरीद को लेकर दिल्ली से लेकर यूपी तक सियासी बवाल मच गया है। जहां कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सपा प्रमुख ने मोहन यादव का समर्थन देते हुए बीजेपी पर उनको बदनाम करने का आरोप लगाया। उधर यूपी कैबिनेट मंत्री व सुभासपा ने सपा प्रमुख पर हमला करते हुए कहा कि उनका इस मामले में क्या भागीदारी है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में डबल इंजन सरकार के तहत लूट का इंजन चल रहा है और सत्ता के भीतर जमीन व राजनीतिक वर्चस्व को लेकर खींचतान जारी है। पूरे मामले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी अपना बयान जारी कर कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया है। कांग्रेस ने मंगलवार को एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार ने उज्जैन में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में जमीन खरीदी है। मंगलवार देर रात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ओर बयान जारी किया गया. साथ ही आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया।

### मोहन यादव को बदनाम करने के लिए भाजपा साजिश रची है : अखिलेश यादव

प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का समर्थन मिला है। इस पूरे विवाद को साजिश बताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि मोहन यादव को बदनाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने साजिश रची है, उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या बीजेपी को पता नहीं था कि मोहन यादव रियल इस्टेट का काम करते थे। बकौल अखिलेश यादव, ये आरोप इसलिए लग रहा है कि भाजपा रास्ता ढूंढ रही है कि तीन मुख्यमंत्री कैसे बदलें। वे मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं इसलिए आरोप लगवा रहे हैं, इन्हें मध्य-प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री को हटाना है। इन दो को इसलिए हटा रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हटाना है।

### हल्ला मचाकर क्या छिपा रहे हैं अखिलेश यादव : ओपी राजभर

यूपी कैबिनेट में मंत्री ओपी राजभर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर अखिलेश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अखिलेश यादव जी, माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर जी के संबंध में इतना हल्ला क्यों कर रहे हो? इतना शोर करके छुपाना क्या चाहते हो आप? ऐसा क्यों चाहते हैं कि दुनिया वही देखे जो आप दिखाएं?अब बताता हूं, आपकी पीड़ा क्या है? आप क्यों घबरा गए! कैसे आपके निवेश पर चोट पहुंच गई और क्यों आप बौखला गए? अखिलेश जी! एमपी कैडर के आईएएस भरत यादव जो राज्य सड़क विकास निगम के चेयरमैन हैं, उनसे आपने अपना रिश्ता छिपा लिया। अखिलेश जी भरत यादव आपके कुबेर चंद्रपाल यादव के दामाद हैं। चंद्रपाल यादव सपा के कद्दावर नेता और पार्टी कोषाध्यक्ष रहे हैं। उम्मीद है कि आपको याद आ गया होगा। इस मामले में अखिलेश जी आपकी तिलमिलाहट बता रही है कि भरत यादव ने आपसे और अपने लोगों से वहां की जमीनों में भारी निवेश करवाया है। और जमीन खाने के मामले में सैफई परिवार बहुत अनुभवी है। इसे पूरा उत्तर प्रदेश जानता है।

### लूट की कमान मुख्यमंत्री मोहन यादव संभाल रहे : जयराम रमेश

इन जमीनों की कीमत करीब 45 करोड़ रुपये बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश जमीनें उन इलाकों में स्थित हैं, जहां राज्य सरकार द्वारा सड़क परियोजनाओं और भूमि उपयोग में बदलाव की घोषणाओं से लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कथित लूट की कमान स्वयं मुख्यमंत्री मोहन यादव संभाल रहे हैं। रमेश ने आगे कहा कि यह चर्चा भी है कि मध्य प्रदेश से केंद्र में गए मंत्री ही मुख्यमंत्री के खिलाफ खबरें 'प्लांट' करवाने के पीछे हैं। उनका इशारा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर था। ऐसा लगता है कि यह अंदरूनी संघर्ष सत्ता की कुर्सी और हिस्सेदारी को लेकर है।

### विकास परियोजनाओं से पहले भूमि खरीद पर सवाल : पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जिन क्षेत्रों में सड़क, बायपास, कॉरिडोर और अन्य विकास परियोजनाओं की घोषणाएं हुईं, उन्हीं इलाकों के आसपास भूमि खरीद के दावे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता जानना चाहती है कि क्या विकास योजनाओं की पूर्व जानकारी का उपयोग निजी लाभ के लिए किया गया। पटवारी ने कहा कि यदि आरोप निराधार हैं तो सरकार पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर तथ्य सार्वजनिक करे।

### पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े कथित भूमि प्रकरण ने केवल जमीन खरीद-फरोख्त ही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हे गांव के सैकड़ों ग्रामीण अपनी शिकायतें लेकर उनके पास पहुंचे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि एक मृत व्यक्ति के नाम पर कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए, वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्र बनाकर करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन की रजिस्ट्री कराई गई।

# मोदी सरकार ने लाखों युवाओं का भविष्य किया बर्बाद : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट पेपर लीक के विरोध पर धर्मेंद्र प्रधान की कथित टिप्पणियों को लेकर हमला बोला है। खरगे ने प्रधान पर छात्र आंदोलनकारियों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम कहकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने मोदी सरकार पर 90 पेपर लीक और नीट विवाद से 20 छात्रों की आत्महत्या का दावा करते हुए लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया।

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- कुर्सी से चिपके हैं शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर हृश्वश्वञ्ज पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाया। मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देते समय स्टूडेंट्स इको को आतंकवादी कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है।

किसानों के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहा था। खरगे ने ज़ोर देकर कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और उन्होंने प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की। देश यह नहीं भूला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद संसद में किसानों के हितैषियों को अपमानजनक ढंग से आंदोलन-जीवी और परजीवी कहा था। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इस सरकार से सवाल करता है, उसे देश-विरोधी कहा जाता है। छात्रों की गूंज पूरे देश में ज़ोरदार ढंग से सुनाई देगी। मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को इस्तीफ़ा देना होगा।

# लोस स्पीकर ने शिवसेना (यूबीटी) के विभाजित नेताओं को बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) में हुए विभाजन के बाद, सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को शाम 5 बजे पार्टी नेताओं को बैठक के लिए बुलाया है।

» दोनों गुटों को अपना रुख रखने को कहा

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे और बागी सांसदों के गुट से जुड़े घटनाक्रमों पर अपना पक्ष रखेंगे। ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट को अध्यक्ष के समक्ष पेश होकर इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा गया है। सावंत और देसाई द्वारा अध्यक्ष से बागी सांसदों के गुट को मान्यता न देने का अनुरोध किए जाने की संभावना है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब सोमवार को छह शिवसेना (यूबीटी) लोकसभा सांसदों संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर ने औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए, जिसके परिणामस्वरूप ऑपरेशन टाइगर सफल रहा।

# कॉकरोच जनता पार्टी युवाओं की निराशा का संदेश पहुंचाने का माध्यम : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को युवाओं की निराशा का संदेश पहुंचाने का माध्यम बताया, लेकिन ज़ोर दिया कि स्थापित राजनीतिक पार्टियां ही इन मुद्दों को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल आंदोलनों पर निर्भर नहीं रह सकता, इसकी नींव अंतत: राजनीतिक दल ही होते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन पर अपनी राय रखते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि हालांकि यह युवाओं की निराशा का संदेश पहुंचाने का एक अहम ज़रिया था, लेकिन आखिरकार स्थापित राजनीतिक पार्टियों को ही उनके उठाए मुद्दे को आगे बढ़ाना होगा। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि लोकतंत्र सिर्फ़ आंदोलनों पर निर्भर नहीं रह सकते और असल में वे राजनीतिक पार्टियों पर ही टिके होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन के बारे में पूछे जाने पर रमेश ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि इसे डीप स्टेट (छिपी हुई ताकतें) का समर्थन हासिल है, तो कुछ लोग इसे युवाओं की निराशा का नतीजा मानते हैं। इनमें से किसी भी बात को साबित करने का कोई तरीका नहीं है, लेकिन सच यह है कि इसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी और कई हेडलाइंस में जगह बनाई, फिर भी यह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। रमेश ने कहा कि आखिरकार राजनीतिक पार्टियां ही मायने रखती हैं।

पार्टी का ढांचा ही अहम होता है। इसलिए, हालांकि यह युवाओं की निराशा का संदेश पहुंचाने का एक अहम ज़रिया था, लेकिन मुझे लगता है कि स्थापित राजनीतिक पार्टियों को ही इसे आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आंदोलनों की अपनी जगह है, लेकिन लोकतंत्र सिर्फ़ आंदोलनों पर निर्भर नहीं रह सकता लोकतंत्र की नींव आखिरकार राजनीतिक पार्टियां ही होती हैं।

# यूपी में जल्द आएगा मानसून, पश्चिमी यूपी में बारिश के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एक तरफ भीषण गर्मी और लू ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, तो दूसरी तरफ मानसून की दस्तक ने राहत की उम्मीद जगा दी है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले कुछ दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के रास्ते राज्य में प्रवेश कर सकता है।**

अनुमान है कि 28 जून के आसपास मानसून दस्तक देगा और 29 जून से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि मानसून आने से पहले प्रदेश के कई हिस्सों को अभी कुछ दिन और गर्मी झेलनी होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 31 जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बारिश और तेज हवाओं से राहत मिलने के संकेत हैं। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश इस समय भीषण तपिश और आने वाली फुहारों के बीच खड़ा है और लोगों की नजरें अब मानसून की पहली बारिश पर टिकी हैं।

दक्षिण-पश्चिम मानसून आखिरकार मंगलवार को मुंबई पहुंच गया। यह सामान्य तारीख से 13 दिन की देरी से आया है। मानसून की दस्तक के साथ ही मुंबई में मंगलवार रात हुई भारी बारिश ने शहर के कई हिस्सों में मुश्किलें खड़ी कर दीं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा